

मकान बेचने के नाम पर ठेकेदार को 16 लाख की चपत, सीएसपीडीसीएल के अफसर पर एफआईआर

दरिमा में कार्य के दौरान हुई थी सहायक अभियंता से पहचान, वर्तमान में रायपुर में हैं पदस्थ

छ.ग.फ्रंटलाइन अंबिकापुर। सरगुजा जिले में बिजली विभाग में पदस्थ एक अधिकारी ने भरोसे पर रखकर

ठेकेदार को लाखों की चपल लगा दी। अधिकारी ने पहले तो 15 लाख रुपये मांगे, बाद में ठेकेदार को मकान दिखाकर बेचने के नाम पर 16 लाख रुपये ले लिए। इसके पहले मकान किसी और को बेच दिया। ठेकेदार जब रजिस्ट्री के लिए चक्कर काटना शुरू किया तो अधिकारी का रूख टालमटोल भरा रहा। आखिरकार ठेकेदार ने

कोतवाली पुलिस से इसकी शिकायत की, जिसके बाद कोतवाली पुलिस ने धोखाधड़ी का मामला दर्ज कर लिया है। जानकारी के मुताबिक, दरिमा-रायगढ़ रोड निवासी प्रीतम गोयल पिता स्व. रतनलाल गोयल 32 वर्ष, बिजली विभाग में ठेकेदारी का भी काम करते हैं। बिजली विभाग का कार्य करने के दौरान वर्ष 2024 में उनका परिचय बिलिंग आदि



कार्य के दौरान सीएसपीडीसीएल कार्यालय

दरिमा में तत्समय पदस्थ सहायक अभियंता रूपजिंदर कौर से हुआ था। परिचय होने के बाद अधिकारी ने जरूरत बताते हुए 15 लाख रुपये ठेकेदार से मांगा, जिस पर प्रीतम गोयल में एकमुश्त इतनी राशि देने में असमर्थता जताई। इसके बाद सहायक अभियंता ने ठेकेदार को

जरूरत बताते हुए बेचने की इच्छा जाहिर की। 16 लाख रुपये में मकान का सौदा हुआ और पूरी रकम सहायक अभियंता ने भरोसे में प्राप्त कर ली। रुपये देने के बाद रजिस्ट्री की बारी आई तो इंतजार की स्थिति बनने लगी। रिपोर्ट के मुताबिक, सहायक अभियंता रूपजिंदर कौर भ्रष्टा का स्थानांतरण रायपुर हो गया, जहां वह कार्यपालन अभियंता

के पद पर पदस्थ हो गई। ठेकेदार ने कई बार रायपुर जाकर और संचार, चैट के माध्यम से मकान का रजिस्ट्री करा देने का आग्रह किया, लेकिन किसी प्रकार का संतोषप्रद जवाब नहीं मिल पाया। अधिकारी की ओर से किसी प्रकार का सहयोग नहीं मिलने पर वह अंबिकापुर के गांधीनगर में स्थित बिजली विभाग के कार्यालय में जाकर

वरिष्ठ अधिकारियों सहित अन्य से संपर्क किया तो पता चला कि जिस मकान का रजिस्ट्री कराने के लिए वह मकान स्वामी का चक्कर काट रहा है, उसे वह पहले ही बेच चुकी है। इसकी लिखित जानकारी ठेकेदार ने पुलिस को दी, जिस पर जांच के बाद पुलिस ने अधिकारी के विरुद्ध बीएनएस की धारा 318(4) का मामला दर्ज कर लिया है।

करंट से मौत के बाद नहीं मिला मुक्तगंजलि वाहन, ट्रेक्टर में शव ले गए स्वजन

नपं अध्यक्ष के पहुंचने के बाद सिस्टम की लापरवाही सामने आई



छ.ग.फ्रंटलाइन लखनपुर/अंबिकापुर। जंगली सुअरों से फसल बचाने के लिए खेत के चारों ओर लगाए गए करंट प्रवाहित तार ने एक युवक की जान ले ली। मौत के बाद भी सिस्टम की संवेदनहीनता खत्म नहीं हुई। पोस्टमार्टम के बाद युवक का शव लखनपुर सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र में घंटों पड़ा रहा। स्वजन शव वाहन के लिए भटकते रहे, लेकिन कोई सुनने वाला नहीं था। मामला तुल पकड़ा तो नगर पंचायत अध्यक्ष सावित्री दिनेश

साहू अस्पताल पहुंची और स्वास्थ्य अमले को जमकर फटकार लगाई। घटना सरगुजा जिले के लखनपुर थाना क्षेत्र के ग्राम रेहला से लगे झिलमिली जंगल की है। यहां एक ग्रामीण ने अपनी फसल को जंगली सुअरों से बचाने के लिए खेत के आसपास अवैध रूप से करंट प्रवाहित तार लगा रखा था। 14 अक्टूबर को रेहला निवासी जुगेश्वर पिता शंकर पावले 25 वर्ष इसी तार की चपेट में आ गया। करंट लगने से उसकी

मौके पर ही मौत हो गई। सूचना पर पुलिस ने शव को लखनपुर पोस्टमार्टम के लिए ले जाकर भिजवाया, जहां पोस्टमार्टम की कार्यवाही पूरी करने के बाद शव स्वजनों को सौंप दिया गया। यहां शव को गांव तक ले जाने के लिए सरकारी शव वाहन नहीं मिला। स्वजन घंटों अस्पताल परिसर में इंतजार करते रहे, बाद में ट्रेक्टर में शव ले गए। इधर पुलिस ने करंट लगाने वाले खेत मालिक के खिलाफ जांच शुरू कर दी है।

जीवनदीप समिति के भरोसे व्यवस्था

जीवनदीप समिति के वाहन चालक महमूद खान ने बड़ा आरोप लगाया। उसने कहा कि शासन द्वारा नियुक्त नियमित वाहन चालक ड्यूटी से नदारद रहते हैं, अपनी जिम्मेदारी नहीं निभाते। इसका खामियाजा परिजनों को भुगतना पड़ता है। शव को पोस्टमार्टम के लिए लाने और फिर घर तक पहुंचाने का काम मजबूरी में जीवनदीप समिति के कर्मचारियों को करना पड़ता है।

नपं अध्यक्ष को हाजिरी रजिस्टर खाली मिला

शव वाहन नहीं मिलने की सूचना जब नगर पंचायत अध्यक्ष सावित्री दिनेश साहू को मिली तो वे तत्काल अस्पताल पहुंचीं। उन्होंने पूरे अस्पताल का निरीक्षण किया। नियमित चालक की अनुपस्थिति और वाहन चालकों की कमी पर कड़ी नाराजगी जताई। मौके पर हाजिरी रजिस्टर चेक किया तो कई कर्मचारियों के हस्ताक्षर भी नहीं मिले।

बीएमओ को दिए कार्रवाई के निर्देश

अध्यक्ष ने बीएमओ डॉ. ओम प्रकाश प्रसाद को निर्देशित किया कि अनुपस्थित और लापरवाह कर्मचारियों के खिलाफ सख्त कार्रवाई की जाए। साथ ही जीवनदीप समिति के माध्यम से तत्काल वैकल्पिक चालक की व्यवस्था की जाए। निरीक्षण के दौरान भाजपा जिला उपाध्यक्ष ने भी रात के समय अस्पताल की बदहाल व्यवस्था और चौकीदार के नहीं होने पर सवाल उठाए। इस पर बीएमओ ने कहा कि स्टाफ की कमी है, कर्मचारियों को कई तरह के काम करने पड़ते हैं और चौकीदार का पद ही स्वीकृत नहीं है। इससे उन्होंने उच्च अधिकारियों को अवगत कराने की बात कही।

बांकी नहर की भूमि पर कब्जा, 200 आलीशान इमारतों पर लटकी तलवार

तीन दिन से जारी है सिंचाई विभाग का मेगा एक्शन, 60 पर बुलडोजर चलने से मचा हड़कंप



छ.ग.फ्रंटलाइन अंबिकापुर। शहर के पांश इलाके में दरिमा मोड़ से होकर गुजरी बांकी माइनर नहर की सरकारी जमीन पर भू-माफियाओं और रसूखदारों ने कब्जे का ऐसा जाल बिछाया कि देखते ही देखते 200 से ज्यादा पक्की बिल्डिंगें खड़ी हो गईं। सालों तक सिंचाई विभाग सोता रहा और कब्जाधारी बेशकीमती जमीन पर करोड़ों का साम्राज्य खड़ा करते रहे। अब विभाग की नींद टूटी है और 13 अक्टूबर से बुलडोजर एक्शन शुरू है। तीसरे दिन तक करीब 60 अतिक्रमण जमींदोज किए जा चुके हैं। लोगों में आक्रोश और विवाद की स्थिति भी निर्मित हो रही है। इनमें ऐसे भी लोग हैं, जो अपने पास बकायदा भूमि का वैध पट्टा होने का दावा कर रहे हैं। विभाग ने नहर के सेंटर प्वाइंट से दोनों ओर 10-10 मीटर के दायरे को अतिक्रमण मुक्त करने का टारगेट तय किया है। टीम ने नाप-जोख कर चिन्हांकन किया और फिर बुलडोजर चलावा दिया। कार्रवाई के दौरान कई



तीन मंजिला इमारत पर चला बुलडोजर

अतिक्रमण हटाने के दौरान श्रीगढ़ क्षेत्र में एक तीन मंजिला आलीशान बिल्डिंग पर भी बुलडोजर चला। बिल्डिंग के अगले हिस्से को तोड़ दिया गया। बिल्डिंग मालिक तुलसी अग्रवाल ने बताया कि उन्होंने साढ़े 12 डिसमिल जमीन की विधिवत रजिस्ट्री कराई है। सारे दस्तावेज होने के बावजूद राजस्व अधिकारी सुनने को तैयार नहीं हैं। उन्होंने कहा मुझे सरकारी जमीन का एक इंच भी नहीं चाहिए, लेकिन मेरी निजी जमीन तो छोड़ दी जाए। बुलडोजर से भारी नुकसान हुआ है। इसी तरह ददू विश्वकर्मा ने बताया कि उनकी बिल्डिंग भी ढहा दी गई, जिससे उन्हें एक करोड़ रुपये से अधिक का नुकसान हुआ है। अतिक्रमणकारियों का आरोप है कि नाप-जोख में गड़बड़ी की जा रही है।

विभाग ने कहा-नाप के बाद कार्रवाई

विभाग का कहना है कि पूरी कार्रवाई राजस्व नक्शे और नहर के मूल प्लानिंगमेंट के आधार पर हो रही है। 60 अतिक्रमण हटाए जा चुके हैं और बाकी बचे 140 पर भी जल्द बुलडोजर चलेगा। इस कार्रवाई से पूरे शहर में हड़कंप मचा है। जो लोग नहर किनारे मकान बनाने की तैयारी में थे, अब सहमे हुए हैं।

जगह विरोध और बवाल की स्थिति भी बनी, लेकिन भारी पुलिस बल और विभागीय अमले के दम पर अतिक्रमण हटाने में टीम कामयाब रही। सिंचाई विभाग के एसडीओ का कहना है कि माइनर नहर की जमीन पर कब्जा कर लोगों ने बड़े-बड़े मकान और व्यवसायिक भवन बना लिए हैं। यह जमीन सिंचाई विभाग की है, जिस पर किसी भी तरह का निर्माण प्रतिबंधित है। लंबे समय से इसकी अनदेखी की गई,

जिसके कारण अतिक्रमण बढ़ता गया। अब शासन के निर्देश पर पूरी नहर को अतिक्रमण मुक्त कराने की मुहिम चल रही है। उन्होंने बताया कि शासकीय रिकॉर्ड में करीब 200 निर्माण चिन्हित किए गए हैं। सभी को नोटिस देने के बाद ध्वस्तिकरण की कार्रवाई की जा रही है। किसी के साथ अन्याय नहीं हो रहा है, सिर्फ सेंटर प्वाइंट से 10-10 मीटर के भीतर आने वाले निर्माण ही हटाए जा रहे हैं। कार्रवाई आगे भी जारी रहेगी।

प्रदेश में अव्वल नवापारा शहरी अस्पताल कायाकल्प असेसमेंट में खरा नहीं उतरा

टीम ने निरीक्षण दौरान चेकलिस्ट अनुरूप आवश्यक तैयारियों का घोर अभाव पाया

सीएमएचओ ने

प्रभारी को थमाया नोटिस, स्पष्टीकरण के साथ 7 दिवस में पालन प्रतिवेदन अभिलेखों को फोटोग्राफ के साथ प्रस्तुत करने कहा

छ.ग.फ्रंटलाइन अंबिकापुर।

कभी कायाकल्प में पूरे प्रदेश में नाम रोशन करने वाला नवापारा का शहरी सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र अब अपनी बदहाली के लिए चर्चा में है। वर्तमान शहरी प्रभारी की लापरवाही और कार्य के प्रति उदासीनता के कारण अस्पताल की व्यवस्थाएं चरमरा गई हैं। जिला स्तरीय टीम के निरीक्षण में अस्पताल फेल पाया गया, इसके बाद मुख्य चिकित्सा एवं स्वास्थ्य

अधिकारी अंबिकापुर ने प्रभारी चिकित्सा अधिकारी को कारण बताओ नोटिस जारी किया है। सीएमएचओ कार्यालय द्वारा जारी पत्र के अनुसार, जिला स्तरीय टीम ने 13 अक्टूबर को अस्पताल का कायाकल्प असेसमेंट किया था। असेसमेंट के दौरान कायाकल्प चेकलिस्ट के अनुरूप आवश्यक तैयारियों का घोर अभाव पाया गया। टीम ने पाया कि अस्पताल में बायोमैडिकल वेस्ट का पृथक्करण एवं प्रबंधन, संक्रमण नियंत्रण और साफ-सफाई व स्वच्छता की



व्यवस्थाएं संतोषजनक नहीं हैं। सीएमएचओ ने नोटिस में स्पष्ट लिखा है कि ये कमियां स्वास्थ्य संस्था के निर्धारित गुणवत्ता मानकों और कायाकल्प कार्यक्रम के उद्देश्यों के प्रतिकूल हैं, जिससे स्पष्ट है कि संस्था स्तर पर गंभीरता नहीं बरती गई। सीएमएचओ ने प्रभारी को पत्र प्रार्ति के 07 दिवस के भीतर लिखित स्पष्टीकरण प्रस्तुत करने और सभी कमियों को दूर कर सुधारात्मक कार्रवाई का पालन



प्रतिवेदन अभिलेखों एवं फोटोग्राफ सहित प्रस्तुत करने का निर्देश दिया है, ताकि पुनः असेसमेंट कराया जा सके।

बदतर होते जा रहा है। अस्पताल में गंदगी और अव्यवस्था से मरीजों को परेशानी हो रही है।

(बालाजी क्लीनिक)

मद्रासी दवाखाना

Reg. No. Cg03026

ISO 9001: 2015 CERTIFIED

बादी एवं खूनी बवासीर, नासूर, भाँदर, फीसर एवं काँच (गुदा) का क्षार सूत्र से, एवं आंतों की बीमारियों जैसे पेट का भारीपन, गैस, कब्ज, पुरुष और स्त्री के गुप्त रोगों का आयुर्वेदिक उपचार किया जाता है।

समय :- सोमवार से शनिवार, सुबह 10 से 2, शाम 6 से 7:30

रविवार सुबह 10 से 2, शाम को बंद रहेगा

बिलासपुर रोड, बिलासपुर चौक, अम्बिकापुर मो. 90099-56307

डॉ. के.एम. राव

एम.एस.(आयु) शल्य

भूतपूर्व प्राध्यापक शल्य विभाग

शासकीय आयुर्वेद कॉलेज अहमदाबाद

अनछुए गाँवों तक पहुँचा प्रशासन, कलेक्टर ने राजपुर-शंकरगढ़ का किया सघन निरीक्षण

- ★ पतरापारा की लखपति दीदियों से टमाटर का उपहार, धारा नगर में ठेकेदार को नोटिस : कलेक्टर का मैराथन दौरा
- ★ गुणवत्ता से समझौता नहीं - घटिया नाली निर्माण पर कलेक्टर ने रुकवाया काम
- ★ जिले के अंतिम छोर तक पहुँचीं कलेक्टर, कहीं सराहना तो कहीं सख्ती से परखीं योजनाएँ

प्रतिनिधि छ.ग. फ्रंटलाइन बलरामपुर। पहाड़ी कोरवा बाहुल्य ग्राम पतरापारा में श्रीमती सोनिया शांडिल्य ने अपनी बाड़ी में उगे ताजे टमाटर जब कलेक्टर श्रीमती चंदन संजय त्रिपाठी को उपहार में भेंट किए, तो कलेक्टर ने प्रतीक स्वरूप उनमें से एक टमाटर स्वीकार कर उनके परिश्रम को सम्मान दिया। यह आत्मीय क्षण कलेक्टर के उस मैराथन दौरे की पहचान बना, जिसमें उन्होंने राजपुर और शंकरगढ़ क्षेत्र के दूरस्थ



एवं अब तक अनछुए गाँवों तक पहुँचकर शासकीय योजनाओं की ज़मीनी हकीकत परखी। दिनभर के इस दौरे में जहाँ अच्छे कार्यों को खुलकर सराहना मिली, वहीं लापरवाही और गुणवत्ताहीन कार्यों पर सख्त कार्रवाई भी हुई। प्रधानमंत्री जनमन योजना के अंतर्गत चिन्हित ग्राम पतरापारा में कलेक्टर ने राष्ट्रीय ग्रामीण आजीविका मिशन के वित्तीय समावेशन से जुड़ी स्व-सहायता समूह की महिलाओं की खेती का प्रत्यक्ष अवलोकन किया। बैंक लिंकेज से ऋण लेकर ये महिलाएँ टमाटर, मिर्च, सेम और गोभी जैसी उच्च गुणवत्ता की सब्जियों का उत्पादन कर रही हैं। उनके कार्य की प्रशंसा करते हुए कलेक्टर ने कहा कि खेती की बारीकियों को इतनी गहराई से समझने वाली लखपति दीदियों के बीच आकर

आवश्यकता को देखते हुए परिवारों का सर्वे कर प्रस्ताव शासन को भेजने तथा पेयजल एवं बिजली व्यवस्था सुदृढ़ करने के निर्देश देने के साथ उन्होंने बच्चों को नियमित स्कूल जाने के लिए प्रेरित किया। जिले के अंतिम छोर पर दस्तक देते हुए कलेक्टर ग्राम पंचायत पोड़ी खुर्द के अमाकोना स्थित बहुउद्देशीय केन्द्र भी पहुँचीं। पीएम जनमन योजना के अंतर्गत स्थापित इस केन्द्र में आंगनबाड़ी एवं स्वास्थ्य केन्द्र संचालित हैं। यहाँ बच्चों ने कलेक्टर का आत्मीय स्वागत किया, जिसके बाद उन्होंने केन्द्र परिसर का अवलोकन किया। राजपुर विकासखंड के आंगनबाड़ी केन्द्रों में कलेक्टर ने राजपुर स्थित का संवेदनशील और सख्त, दोनों रूप देखने को मिला। हरजनपारा आंगनबाड़ी केन्द्र में

विकसित करने के निर्देश दिए, ताकि बच्चों, गर्भवती एवं शिशुवती माताओं को ताजी हरी सब्जियाँ वहीं उपलब्ध हो सकें। वहीं कुन्दी खुर्द आंगनबाड़ी केन्द्र में रेडी टू ईट एवं दलिया के वास्तविक भंडार का पंजी से मिलान करने पर अनियमितता सामने आई और बच्चों को समय पर नाश्ता न दिए जाने की बात भी पाई गई। इस पर नाराज़गी जताते हुए कलेक्टर ने संबंधित आंगनबाड़ी कार्यकर्ता का मानदेय रोकने के निर्देश दिए। उन्होंने कहा कि आंगनबाड़ी बच्चों के स्वस्थ भविष्य की पहली सीढ़ी है और पोषण आहार वितरण में किसी भी प्रकार की लापरवाही बर्दाश्त नहीं की जाएगी। कलेक्टर ने राजपुर स्थित कस्तूरबा गांधी आवासीय विद्यालय, पीएम जनमन शासकीय उच्चतर माध्यमिक

तथा बेहतर संचालन एवं प्रबंधन के लिए अधिकारियों को आवश्यक निर्देश दिए। दूरस्थ अंचलों की बालिकाओं और विशेष पिछड़ी जनजाति पहाड़ी कोरवा समुदाय के बच्चों को शिक्षा की मुख्यधारा से जोड़ने वाले इन संस्थानों के संबंध में उन्होंने कहा कि यहाँ प्रत्येक विद्यार्थी को सुरक्षित, स्वच्छ और प्रेरणादायी वातावरण मिलना सुनिश्चित किया जाए। इसके बाद कलेक्टर ने किसान उत्पादक संगठन (एफपीओ) के तहत संचालित कृषि सेवा केन्द्र राजपुर का अवलोकन कर केन्द्र के संचालन और उपलब्ध सामग्री की समीक्षा की। उन्होंने विशेष रूप से यह जाना कि किसानों को खेती से जुड़ी आवश्यक सामग्री और सेवाएँ उचित मूल्य पर समय से मिल रही हैं या नहीं।

शंकरगढ़ विकासखंड के ग्राम मानपुर में जल जीवन मिशन के अंतर्गत कलेक्टर ने श्री निर्मल सोनवानी के घर लगे नल का अवलोकन कर परिवार से पानी की उपलब्धता की जानकारी ली।

उन्होंने सब इंजीनियर को हर घर में शत-प्रतिशत जलापूर्ति सुनिश्चित करने तथा जहाँ सुधार की आवश्यकता है, वहाँ कार्य शीघ्र पूर्ण करने के निर्देश दिए।

बेलकोना के धारा नगर में हरिनलेटा मार्ग पर बन रही नाली के निरीक्षण के दौरान निर्माण में प्रयुक्त

गिट्टी एवं अन्य सामग्री की गुणवत्ता पर कलेक्टर ने गहरा असंतोष जताया। उन्होंने मौके पर ही काम रोकने तथा ठेकेदार को कारण बताओ नोटिस जारी करने के निर्देश देते हुए स्पष्ट कहा कि निर्माण कार्यों की गुणवत्ता से कोई समझौता स्वीकार नहीं किया जाएगा। समीप ही आदिम जाति कल्याण विभाग द्वारा निर्माणाधीन आश्रम भवन का निरीक्षण कर उन्होंने गुणवत्तापूर्ण निर्माण सुनिश्चित करने के निर्देश दिए। आंगनबाड़ी से आवासीय विद्यालय, खेत से नल और नाली से आश्रम भवन तक, इस दौरे के माध्यम से कलेक्टर ने यह स्पष्ट संदेश दिया कि योजनाओं की सफलता का वास्तविक पैमाना जिले के अंतिम छोर पर बसे हितग्राही तक उनका लाभ पहुँचना है।

जयनगर हायर सेकेंडरी स्कूल में चौथी बार समर्सिबल पंप चोरी

प्रतिनिधि छ.ग. फ्रंटलाइन

बिश्रामपुर। ग्राम पंचायत जयनगर में संचालित शासकीय आज्ञा हायर सेकेंडरी स्कूल प्रांगण में लगे मोटर पंप को अज्ञात चोरों ने बीती रात चोरी कर ली है। स्कूल के प्राचार्य ने जयनगर थाना में आवेदन देकर आरोपियों के गिरफ्तारी की मांग की है। स्कूल प्रबंधन द्वारा थाना में दिए गए आवेदन में उल्लेख किया गया है कि बीती रात अज्ञात चोरों ने स्कूल प्रांगण में स्थित मोटर पंप का ढक्कन तोड़कर समर्सिबल पंप पार कर दिया है। विद्यालय में पहले भी तीन बार चोरी की घटनाएँ हो चुकी हैं। लगातार हो रही वारदातों से विद्यालय प्रबंधन की चिंता बढ़ गई है। गुरुवार की सुबह विद्यालय पहुंचने पर देखा गया कि अज्ञात चोरों द्वारा बोरेल का ढक्कन टूटा हुआ



मिला और उसमें लगा समर्सिबल पंप गायब था। इसके बाद विद्यालय प्रबंधन को चोरी की जानकारी हुई। बार-बार शैक्षणिक संस्थान को निशाना बनाया जाना विद्यालय की संपत्ति और सुरक्षा व्यवस्था को लेकर गंभीर चिंता का विषय बन गया है। विद्यालय में समर्सिबल

बस्तामुक्त विद्यालय में पालक-बालक-शिक्षक की बैठक

प्रतिनिधि छ.ग. फ्रंटलाइन

बिश्रामपुर। प्रथम बस्तामुक्त शासकीय पूर्व माध्यमिक शाला रुनियाडीह में पालक- बालक-

कि बैठक में उपस्थित पालकों को त्रय मासिक परीक्षा फल की जानकारी देकर बच्चों के घर पर पढ़ने बैठाने, गृह कार्य करने को बोलने तथा



शिक्षक की बैठक संस्था की एसएमसी अध्यक्ष श्रीमती कौशल्या राजवाड़े के नेतृत्व में आयोजित की गई। संस्था प्रमुख सीमांचल त्रिपाठी ने बताया

संस्था समय में स्कूल में पढ़ी गई चीजों को घर पर पढ़ रहे हैं या नहीं देखने की बात पर चर्चा की गई। उपस्थित पालकों को आगामी दशहरा अवकाश पर बच्चों को पर्याप्त गृहकार्य दिए जाने की बात बताकर गृहकार्य को करवाने हेतु प्रेरित किया गया। संस्था की तीन ड्रॉप आउट छात्राओं नैन्सी यादव, नगीना यादव तथा संगीता यादव के अनुपस्थिति पर चर्चा कर उन्हें विद्यालय से सतत रूप से जोड़ने पर बच्चों को भी शामिल करने की बात कही गई। नवप्रवेशी बच्चों के बैंक खाता खुलवाकर संस्था में खाता नंबर जमा करने, जाति-निवास एवं आय प्रमाण पत्र बनवाने को कहा गया।

एसईसीएल बिश्रामपुर की पहल से 55 महिलाएं बनीं हुनरमंद

प्रतिनिधि छ.ग. फ्रंटलाइन बिश्रामपुर। एसईसीएल बिश्रामपुर क्षेत्र द्वारा निगमित सामाजिक उत्तरदायित्व सीएसआर के तहत महिला सशक्तीकरण एवं कौशल विकास को बढ़ावा देने की दिशा में पहल करते हुए परिधान प्रशिक्षण एवं अभिकल्पना केन्द्र के माध्यम से संचालित चार माह के व्यावसायिक प्रशिक्षण कार्यक्रम संपन्न हुआ। इस अवसर पर प्रशिक्षण प्राप्त करने वाली 55 महिलाओं को सिलाई किट एवं बैग वितरित कर स्वरोजगार के लिए प्रोत्साहित किया गया। प्रशिक्षण कार्यक्रम का शुभारंभ 1 जुलाई को हुआ था। चार माह तक चले इस प्रशिक्षण में महिलाओं को सिलाई, परिधान निर्माण तथा इससे संबंधित विभिन्न व्यावहारिक कौशलों का प्रशिक्षण दिया गया। प्रशिक्षण के दौरान महिलाओं ने विभिन्न प्रकार के परिधान तैयार

करी की तकनीक सीखी और अपने हुनर को निखारा। समापन कार्यक्रम में क्षेत्रीय महाप्रबंधक डॉ. संजय कुमार सिंह मुख्य अतिथि के रूप से उपस्थित रहे। अन्य अतिथियों में आरजीके उषा केन्द्र के उपक्षेत्रीय प्रबंधक प्रशांत शर्मा, बिश्रामपुर क्षेत्र के

सिंह मरकाम तथा प्रशिक्षिका कलावती साहू ने भी कार्यक्रम में सहभागिता की। प्रशिक्षण प्राप्त महिलाओं ने अपने हाथों से तैयार किए गए परिधानों का प्रदर्शन किया। महिलाओं द्वारा तैयार किए गए परिधानों की गुणवत्ता और उनकी कार्यकुशलता ने



सीएसआर नोडल अधिकारी आशीष क्लेरेंस तथा रेहर भूमित खदान के नोडल अधिकारी श्रेयांश दुबे भी मौजूद रहे। परिधान प्रशिक्षण एवं अभिकल्पना केन्द्र के प्रभारी डीपी

प्रशिक्षण के दौरान अर्जित कौशल को प्रदर्शित किया। प्रशिक्षण पूरा होने पर सभी 55 महिलाओं को सिलाई किट एवं बैग प्रदान किए गए, ताकि वे उपलब्ध संसाधनों का उपयोग

कर स्वरोजगार की दिशा में आगे बढ़ सकें। क्षेत्रीय महाप्रबंधक डॉ. संजय कुमार सिंह ने कहा कि एसईसीएल सामाजिक सशक्तीकरण एवं सामुदायिक विकास के प्रति प्रतिबद्ध है। महिलाओं को कौशल प्रशिक्षण देकर आत्मनिर्भर बनाना और उन्हें रोजगार के अवसरों से जोड़ना संस्था की सीएसआर गतिविधियों का महत्वपूर्ण उद्देश्य है। एसईसीएल बिश्रामपुर क्षेत्र की यह पहल महिलाओं को व्यावसायिक कौशल प्रदान करने के साथ ही उनकी आर्थिक भागीदारी बढ़ाने और स्वरोजगार को प्रोत्साहित करने की दिशा में महत्वपूर्ण कदम है। इससे स्थानीय स्तर पर महिलाओं के लिए आजीविका के नए अवसर विकसित होने की उम्मीद है।

कोल इंडिया के ठेका श्रमिकों की बड़ी मजदूरी, 1 अक्टूबर से नई दरें लागू

प्रतिनिधि छ.ग. फ्रंटलाइन बिश्रामपुर। कोल इंडिया लिमिटेड ने खनन कार्यों में नियोजित ठेका श्रमिकों की दैनिक मजदूरी को नई दरें जारी कर दी हैं। 12 अक्टूबर के कार्यालय आदेश के अनुसार संशोधित दरें 1 अक्टूबर 2026 से 31 मार्च 2027 तक प्रभावी रहेंगी। नई दरों के तहत अकुशल श्रमिकों को 1341 रुपए, अर्धकुशल श्रमिकों को 1375 रुपए, कुशल श्रमिकों को 1409 रुपए और उच्च कुशल श्रमिकों को 1443 रुपए प्रतिदिन मजदूरी मिलेगी। इन दरों में मूल मजदूरी के साथ परिवर्तनीय महंगाई भत्ता शामिल है। कोल इंडिया ने औद्योगिक श्रमिकों के मूल्य सूचकांक के आधार पर महंगाई भत्ते की संशोधित दरों को शामिल करते हुए यह निर्णय लिया है। नई दरों के अनुसार भुगतान सुनिश्चित करने की ज़िम्मेदारी संबंधित ठेकेदारों और नियोजन एजेंसियों की होगी। इससे कोयला खदानों में कार्यरत ठेका श्रमिकों के वेतन भुगतान पर सीधा असर पड़ेगा।

बेहतर शैक्षणिक गुणवत्ता व बोर्ड परीक्षा की तैयारी हेतु डीईओ ने ली समीक्षा बैठक

प्रतिनिधि छ.ग. फ्रंटलाइन बिश्रामपुर। जिले में शैक्षणिक स्तर को और अधिक सुदृढ़ करने तथा आगामी बोर्ड परीक्षाओं में विद्यार्थियों के उत्कृष्ट प्रदर्शन को सुनिश्चित करने के उद्देश्य से जिला शिक्षा अधिकारी की अध्यक्षता में एक दिवसीय समीक्षा सह उन्मुखीकरण बैठक आयोजित की गई। शासकीय कन्या उच्चतर माध्यमिक विद्यालय विश्रामपुर में आयोजित इस बैठक में विकासखंड सुरजपुर के सभी 34 हायर सेकेंडरी स्कूलों के प्राचार्य तथा गणित, अंग्रेजी, भौतिकी और रसायन शास्त्र जैसे प्रमुख विषयों के व्याख्याता उपस्थित रहे। बैठक के दौरान जिला शिक्षा अधिकारी ने प्राचार्यों एवं व्याख्याताओं से सीधा संवाद स्थापित कर पाठ्यक्रम की प्रगति, कक्षा अध्यापन की स्थिति और विद्यार्थियों के शैक्षणिक स्तर की गहन समीक्षा की। उन्होंने विशेष रूप से

कठिन माने जाने वाले विषयों गणित, भौतिकी, रसायन और अंग्रेजी में विद्यार्थियों की रुचि और समझ बढ़ाने के लिए आधुनिक व प्रभावी शिक्षण पद्धतियों को अपनाने पर बल

के मूल्यांकन के आधार पर शैक्षणिक रूप से पिछड़े छात्रों को चिह्नित कर उनके लिए अतिरिक्त समय देकर उपचारात्मक कक्षाएँ संचालित करने के निर्देश दिए गए। बोर्ड



दिया। डीईओ ने भौतिकी और रसायन शास्त्र के व्याख्याताओं को प्रयोगशालाओं का नियमित और प्रभावी उपयोग सुनिश्चित करने के निर्देश दिए, ताकि विद्यार्थी सिद्धांतों को प्रयोगात्मक रूप से समझ सकें। वहीं गणित और अंग्रेजी में मूलभूत अवधारणाओं को स्पष्ट करने हेतु विद्यार्थियों से निरंतर अभ्यास कार्य कराने पर जोर दिया। उन्होंने त्रैमासिक परीक्षा

परीक्षाओं को ध्यान में रखते हुए सभी प्राचार्यों को निर्देशित किया गया कि वे निर्धारित समय-सीमा के भीतर संपूर्ण पाठ्यक्रम पूरा कराएँ, जिससे विद्यार्थियों को रिविजन और मॉडल प्रश्न-पत्र हल करने का पर्याप्त अवसर मिल सके। साथ ही शिक्षकों एवं विद्यार्थियों दोनों की शत-प्रतिशत और समयबद्ध उपस्थिति अनिवार्य करने के निर्देश दिए गए। शाला

स्तर पर नियमित मॉनिटरिंग और सकारात्मक शैक्षणिक माहौल बनाने पर विशेष जोर दिया गया। डीईओ ने समय पर पाठ्यक्रम पूर्ण कराने, कक्षा में मोबाइल ले जाने वाले शिक्षकों पर सख्त कार्रवाई के निर्देश दिए हैं। डीईओ ने स्पष्ट चेतावनी दी कि वे स्वयं विभिन्न विद्यालयों का औचक निरीक्षण करेंगे। यदि निरीक्षण के दौरान किसी भी कक्षा में शिक्षक द्वारा मोबाइल का उपयोग करते या मोबाइल से पढ़ाते पाया गया, तो संबंधित शिक्षक के विरुद्ध अनुशासनात्मक कार्रवाई सुनिश्चित की जाएगी। साथ ही संस्था प्रमुख की भी जवाबदेही तय होगी। बैठक में सहायक संचालक अजय सिंह, सहायक जिला परियोजना अधिकारी चंद्रपाल कुशवाहा, सहायक परियोजना समन्वयक निर्झर मंदिलवार, सूरजपुर बीईओ हरेंद्र कुमार सिंह, संकुल समन्वयक गौरी शंकर पाण्डेय उपस्थित रहे।

शिवनदनपुर भाजपा मंडल की बैठक में संगठन को मजबूत करने दिया गया जोर

प्रतिनिधि छ.ग. फ्रंटलाइन

बिश्रामपुर। भाजपा शिवनंदनपुर मंडल की बैठक स्तरीय बैठक ग्राम पंचायत जयनगर बिंझिया सामुदायिक भवन में संपन्न हुआ कार्यक्रम के मुख्य अतिथि मंडल प्रभारी संत सिंह थे। अन्य अतिथियों में मंडल अध्यक्ष हरीश राजवाड़े, देवधन राम बिंझिया, ललित गोयल, अनुपम सिन्हा, कृष्णा गोयल बल्लू, मंजित सिंह भामरा, भागवत प्रजापति, देवशरण सिंह उपस्थित रहे।

स्वागत भाषण मंडल अध्यक्ष हरिश राजवाड़े ने दिया। बैठक में अनुप सिन्हा ने संगठन सूत्र को विस्तार से बताया। शिवनंदनपुर नगर पंचायत अध्यक्ष रितेश जायसवाल ने कहा कि बुध से लेकर जिला समिति को और अधिक संगठित करने की आवश्यकता है। देवधन राम बिंझिया ने कहा कि हमारे संगठन में विपक्ष की भूमिका में रहे तब बड़े

उत्साह के साथ संगठन के दिशा निर्देश को मानते थे। हमारे मंडल से कई कार्यकर्ता जेल तक भी गए थे। उन्होंने विकसित भारत अभियान को विस्तार से बताया। ललित



गोयल ने कहा कि पुरे राष्ट्र में भाजपा सेवा संकल्प अभियान का कार्यक्रम चला रही है, जिसमें कार्यकर्ता सेवाभाव से लगकर कार्य किए और सूरजपुर जिला में शिवनंदनपुर

मंडल पहले स्थान पर है मुख्य अतिथि संत सिंह ने मंडल कार्यकारिणी, शक्ति केन्द्र, बुध कार्यकारिणी की जानकारी लेते हुए संगठन को और मजबूत करने को कहा।

इस दौरान कृष्णपाल बिंझिया, बुलच राजवाड़े, अमरलाल साहू, महेश जायसवाल, शान्तनु सिंह चौहान, ब्रम्हदेव बिंझिया, अशोक सोनी, सुखदेव चौधरी, देवेंद्र सोनवानी, समीर सिंह, नितिन सोनी, राजाराम भगत, देवानंद राजवाड़े, चंदेश्वर राजवाड़े, अमित मिश्र, ओम राजवाड़े, घलम राम, मोहं साय, अनिल कुमार, तपेश्वर सिंह, शिवचंद, आशीष कुमार, विरेन्द्र कुमार, राम लखन, उमेश राजवाड़े, अनिता सिंह, पूनमदेव सिंह, फूलबसिया राजवाड़े, मनियारो राजवाड़े, रीता भगत, वंदना चौरसिया, गीता साहू, ओम पठारी, आकांक्षा गुप्ता, श्वेता सिन्हा व अन्य उपस्थित रहे।

पीएचडी प्रवेश परीक्षा में अंकिता गुप्ता ने हासिल की सफलता

प्रतिनिधि छ.ग. फ्रंटलाइन बिश्रामपुर। नगर की मेधावी छात्रा ग्राम पंचायत सतपता निवासी एकांत स्वीट्स संचालक सुर्दे गुप्ता की पुत्री कु. अंकिता गुप्ता ने पीएचडी प्रवेश परीक्षा में सफलता हासिल कर परिवार सहित बिश्रामपुर को गौरवान्वित किया है। उन्होंने अखिल मेरिट सूची में 35 वां स्थान प्राप्त कर कालोलाई किया है। छात्रा अंकिता ने कॉमेल कॉन्वेंट स्कूल बिश्रामपुर से प्रारंभिक शिक्षा तथा डीएवी स्कूल से 12 वीं तक की पढ़ाई की। इसके बाद वाराणसी के सनबीम संस्थान से बीकॉम और एमकॉम के उपाधि प्राप्त की। अपनी मेहनत, लगन और शैक्षणिक प्रतिभा के दम पर हासिल इस उपलब्धि से उनके परिवार और नगर में हर्ष का माहौल है।



प्रतिनिधि छ.ग. फ्रंटलाइन

बिश्रामपुर। एसईसीएल बिश्रामपुर क्षेत्र द्वारा कॉर्पोरेट सामाजिक उत्तरदायित्व गतिविधि के अंतर्गत गुरुवार को खदान प्रभावित क्षेत्र गेतरा में निःशुल्क स्वास्थ्य परीक्षण शिविर का आयोजन किया गया। शिविर में 84 ग्रामीणों का स्वास्थ्य परीक्षण कर उन्हें आवश्यक चिकित्सकीय परामर्श प्रदान किया गया। शिविर क्षेत्रीय महाप्रबंधक डॉ. संजय सिंह एवं आरजीके यूजी माईस के उपक्षेत्रीय प्रबंधक पीके शर्मा एएमओ यूएस बैठ की उपस्थिति में संपन्न हुआ। शिविर में शिशु रोप विशेषज्ञ डॉ. श्रीता लाल, चिकित्सक डॉ. हर्षवर्धन सिंह एवं दंत शल्य चिकित्सक



जांच, सामान्य बीमारियों का परीक्षण, दंत परीक्षण, रक्तचाप एवं रक्त शर्करा की जांच सहित विभिन्न स्वास्थ्य सेवाएँ उपलब्ध कराई गईं।

समाजसेवा और
स्वास्थ्य के क्षेत्र में
उत्कृष्ट योगदान हेतु
सम्मानित हुए
भोला प्रसाद

प्रतिनिधि छ.ग. फ्रंटलाइन
सूरजपुर। समाजसेवा के प्रति
समर्पण और स्वास्थ्य के क्षेत्र में
जनहितकारी पहल के लिए
भोला प्रसाद अग्रवाल को
इंडियन रेडक्रॉस सोसाइटी द्वारा
सम्मानित किया गया।

जिला चिकित्सालय
में पिछले दिनों आयोजित
कार्यक्रम में प्रदेश के स्वास्थ्य
मंत्री श्याम बिहारी जायसवाल
एवं महिला एवं बाल विकास
मंत्री श्रीमती लक्ष्मी राजवाड़े
द्वारा उन्हें यह सम्मान प्रदान
किया गया। भोला प्रसाद
अग्रवाल ने गायत्री शक्तिपीठ
सूरजपुर में मां भगवती योग एवं
प्राकृतिक चिकित्सा केंद्र की
स्थापना कर लोगों को योग एवं
प्राकृतिक चिकित्सा से जोड़ने
की पहल की है। केंद्र के
माध्यम से स्थानीय लोगों को
लाभ मिल रहा है। स्वस्थ
जीवनशैली, योग और प्राकृतिक
चिकित्सा के प्रति जागरूकता
बढ़ाने की दिशा में उनका यह
प्रयास महत्वपूर्ण माना जा रहा
है। स्वास्थ्य के क्षेत्र में योगदान
के साथ ही श्री अग्रवाल विभिन्न
सामाजिक गतिविधियों में भी
सक्रिय भागीदारी निभाते हैं।
जनकल्याण और जरूरतमंदों
की सहायता के प्रति उनकी
प्रतिबद्धता समाज के प्रति उनके
सेवा भाव को दर्शाती है।
रेडक्रॉस सोसाइटी द्वारा मिला
यह सम्मान उनके सामाजिक
योगदान और स्वास्थ्य के क्षेत्र
में किए जा रहे प्रयासों को
मिली सराहना है।

इस मौके पर
विधायक भूलन सिंह मरावी रेड
क्रॉस सोसाइटी के चेयरमैन
बाबूलाल अग्रवाल भाजपा
जिला अध्यक्ष मुरली मनोहर
सोनी उपस्थित रहे।

आपसी भाईचारे, सद्भाव एवं उत्साह के साथ मनाएं त्योहार : रेना जमील

0 त्योहारों के मद्देनजर हुई शांति समिति की बैठक, कलेक्टर श्रीमती ने की सहयोग की अपील
0 शोभायात्रा के लिए रूटचार्ट निर्धारित करने के निर्देश

प्रतिनिधि छ.ग. फ्रंटलाइन
सूरजपुर। दशहरा, दीपावली
एवं अन्य त्योहारों के दौरान
जिले में शांति, सौहार्द एवं
कानून व्यवस्था बनाए रखने के
उद्देश्य से कलेक्टर सभाकक्ष में
कलेक्टर श्रीमती रेना जमील
की अध्यक्षता में शांति समिति
की बैठक आयोजित की गई।
बैठक में सर्व समाज प्रमुख
सहित अपर कलेक्टर श्रीमती
नयनतारा सिंह तोमर, अपर
कलेक्टर राम सिंह ठाकुर,
अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक
योगेश देवांगन, सर्व
अनुविभागीय दंडाधिकारी,
पुलिस अनुविभागीय अधिकारी
तथा संबंधित विभागों के
अधिकारी उपस्थित रहे। बैठक
में कलेक्टर श्रीमती रेना जमील
ने सभी समाज प्रमुखों से
आपसी भाईचारे, सद्भाव एवं
उत्साह के साथ त्योहार मनाने
की अपील की। उन्होंने कहा
कि त्योहारों के दौरान शांति एवं
सुरक्षा व्यवस्था बनाए रखने के
लिए जिला और पुलिस
प्रशासन पूरी तरह प्रतिबद्ध है।
प्रशासन द्वारा आवश्यक
व्यवस्थाएं सुनिश्चित की
जाएंगी। उन्होंने सभी समाज
प्रमुखों से प्रशासन के साथ
समन्वय बनाकर सहयोग करने
का आग्रह किया। बैठक के
दौरान समाज प्रमुखों से त्योहारों
के सुचारु आयोजन के संबंध में
सुझाव आमंत्रित किया गया।
दशहरा पर्व पर श्रद्धालुओं की
सुविधा के लिए भारी वाहनों के
मार्ग परिवर्तन, बैरिकेडिंग,
पर्याप्त पुलिस बल की तैनाती

तथा प्रतिमा विसर्जन स्थलों पर
पुलिस बल एवं गोताखोरों की
व्यवस्था करने संबंधी सुझाव
दिए गए। कलेक्टर ने संबंधित
अधिकारियों को इन सुझावों के
अनुरूप आवश्यक व्यवस्थाएं
सुनिश्चित करने के निर्देश दिए।
कलेक्टर ने रावण दहन स्थलों
पर दमकल वाहन एवं एंबुलेंस
की तैनाती सुनिश्चित करने के
निर्देश भी दिए, ताकि किसी भी
आपात स्थिति में तत्काल
सहायता उपलब्ध कराई जा

सके। उन्होंने त्योहारों के दौरान
सुरक्षा एवं सतर्कता बनाए रखने
तथा आम नागरिकों की सुविधा
का विशेष ध्यान रखने पर जोर
दिया।
**निर्धारित दिशा-निर्देशों का
पालन करने की अपील**
बैठक में सर्वोच्च न्यायालय के
दिशा-निर्देशों के अनुरूप ध्वनि
विस्तारक यंत्रों एवं डीजे के
उपयोग पर चर्चा की गई। समाज
प्रमुखों से निर्धारित मानकों का
पालन सुनिश्चित करने तथा तेज

आवाज से आम नागरिकों को
होने वाली असुविधा से बचाने
की अपील की गई। साथ ही
वाली शोभायात्रा के संबंध में भी
समाज प्रमुखों के साथ चर्चा की
गई। कलेक्टर ने शोभायात्रा के
लिए निर्धारित रूटचार्ट के
अनुसार आवश्यक व्यवस्थाएं
सुनिश्चित करने तथा पुलिस एवं
प्रशासनिक अमले को समन्वय
के साथ दायित्वों का निर्वहन
करने के निर्देश दिए, जिससे
शोभायात्रा शांतिपूर्ण एवं
व्यवस्थित तरीके से संपन्न हो
सके। कलेक्टर श्रीमती रेना
जमील ने सभी समाज प्रमुखों
एवं जिलेवासियों से आपसी
सद्भाव, भाईचारे और सामाजिक
समरसता की भावना के साथ
त्योहार मनाने की अपील करते
हुए कहा कि जिले में शांति
व्यवस्था बनाए रखने में सभी का
सहयोग महत्वपूर्ण है। उन्होंने
त्योहारों की सुरक्षित, शांतिपूर्ण
एवं सौहार्दपूर्ण वातावरण में संपन्न
कराने के लिए जनसहभागिता पर
विशेष जोर दिया।

दुर्गा प्रतिमा विसर्जन के दौरान
सुचारु व्यवस्था बनाए रखने के
लिए समय-सीमा निर्धारित करने
के संबंध में भी विचार-विमर्श
किया गया, ताकि विसर्जन
शांतिपूर्ण एवं व्यवस्थित ढंग से
संपन्न हो सके।
**रूटचार्ट निर्धारित
करने के निर्देश**
विजयादशमी पर्व पर निकलने

सखी वन स्टॉप सेंटर का भ्रमण
कर छात्राओं ने समझा कामकाज



प्रतिनिधि छ.ग. फ्रंटलाइन
सूरजपुर। महिला सशक्तिकरण
केंद्र महिला एवं बाल विकास
विभाग द्वारा भारत सरकार की
'बेटी बचाओ बेटी पढ़ाओ'
अभियान के अंतर्गत कार्यक्रम
आयोजित किया गया।

जिला कार्यक्रम
अधिकारी शुभम बंसल के
मार्गदर्शन में शासकीय कन्या
उच्चतर माध्यमिक विद्यालय
नवापारा की छात्राओं को सखी
वन स्टॉप सेंटर का भ्रमण
कराया गया। भ्रमण के दौरान
छात्राओं को सेंटर की संरचना,
कार्यप्रणाली, समाज में उसकी
भूमिका और पीड़ित महिलाओं
को दी जाने वाली सुविधाओं के
बारे में विस्तार से बताया गया।
साथ ही मिशन शक्ति अंतर्गत
संचालित योजनाओं बेटी
बचाओ बेटी पढ़ाओ, घरेलू

हिंसा अधिनियम, महिला कोष,
'महिला हेल्प लाइन 181,
चाइल्ड हेल्प लाइन
1098, आत्मरक्षा एवं साइबर
सुरक्षा की जानकारी दी गई।
इस दौरान बालिकाओं को
शासकीय सेवाओं में उपलब्ध
रोजगार के अवसरों, विभिन्न
पदों की कार्यप्रकृति तथा समाज
एवं राष्ट्र के विकास में
प्रशासनिक संस्थाओं की
भूमिका के संबंध में जानकारी
प्रदान की गई।

इस प्रकार की
गतिविधियों के माध्यम से
बालिकाओं को अपने भविष्य
के प्रति लक्ष्याभिमुख होने,
स्वावलंबन की दिशा में अग्रसर
होने तथा विभिन्न व्यावसायिक
एवं प्रशासनिक क्षेत्रों में अपनी
सहभागिता सुनिश्चित करने हेतु
प्रेरित किया गया।

राज्य स्तरीय एडवांस स्काउट मास्टर प्रशिक्षण में शामिल हुए जिले के 9 प्रतिभागी

प्रतिनिधि छ.ग. फ्रंटलाइन
सूरजपुर। राज्य स्तरीय एडवांस
स्काउट मास्टर प्रशिक्षण शिविर
के अंतर्गत झांकी अभनपुर में
महा शिविर ज्वाल एवं ग्रेट कैप
फायर का आयोजन किया
गया। कार्यक्रम भारत स्काउट्स
एवं गाइड्स छत्तीसगढ़ के राज्य
मुख्य आयुक्त इंद्रजीत सिंह
खालसा के मुख्य आतिथ्य,
शिविर संचालक डॉ. पूनम सिंह
साहू की अध्यक्षता तथा राज्य
सचिव अमित क्षत्रिय, एसओसी

गाइड श्रीमती जलवती साहू एवं
एसटीसी गाइड श्रीमती सरिता
पांडेय के विशिष्ट आतिथ्य में
संपन्न हुआ। यह प्रशिक्षण
शिविर 8 से 14 अक्टूबर
तक आयोजित किया गया।
जिले में स्काउट गाइड की
गतिविधियों को अधिक
सुचारु बनाने के लिए
कलेक्टर श्रीमती रेना जमील
के निर्देशन में एवं जिला शिक्षा
अधिकारी तथा स्काउट
कमिश्नर अशोक सिन्हा के

मार्गदर्शन में जिले के 9
प्रतिभागी प्रशिक्षण में भाग
लेकर विभिन्न गतिविधियों का
प्रशिक्षण प्राप्त किया। मुख्य
अतिथि इंद्रजीत सिंह खालसा

ने स्काउटिंग के मूल सिद्धांतों,
सेवा, अनुशासन, नेतृत्व,
सामाजिक सहभागिता एवं
देशप्रेम की भावना को जीवन
में आत्मसात करने का
आह्वान किया। उन्होंने
विद्यालयों एवं महाविद्यालयों
में स्काउटिंग गतिविधियों को
प्रभावी ढंग से संचालित
करने की अपील की।
अतिथियों ने शिविर स्थल में
प्रशिक्षणार्थियों द्वारा तैयार किए
गए टेंट, गैजेट्स, लेआउट एवं

स्वच्छता व्यवस्था सहित विभिन्न
प्रायोगिक परियोजनाओं का
निरीक्षण किया। प्रशिक्षणार्थियों
ने मंकी ब्रिज, कमांडो ब्रिज,
ट्रेसल एवं वॉच टावर जैसी
स्काउटिंग संरचनाओं के निर्माण
की विधि एवं उनके उपयोग का
व्यावहारिक प्रशिक्षण प्राप्त
किया।
एडवांस स्काउट मास्टर प्रशिक्षण
बेसिक स्काउट मास्टर प्रशिक्षण
के बाद किया जाता है। शिविर के
दौरान प्रतिभागियों ने छत्तीसगढ़

की लोक संस्कृति को प्रदर्शित
करते हुए आदिवासी लोक नृत्य,
भोजली, डंडा एवं देवार नृत्य
सहित विभिन्न सांस्कृतिक
प्रस्तुतियां दीं। शिविर संचालक
डॉ. पूनम सिंह साहू ने बताया कि
प्रशिक्षण में 51 स्काउट मास्टर,
18 रोवर स्काउट लीडर, 6 कब
मास्टर, 11 राज्य स्टाफ एवं 3
सर्विस रोवर, कुल 93
प्रतिभागियों ने भाग लिया।
शिविर का समापन प्रमाण-पत्र
वितरण के साथ हुआ।

दुर्गा पंडाल के पास निकला विशालकाय सर्प, वन विभाग ने रेस्क्यू कर जंगल में छोड़ा

प्रतिनिधि छ.ग. फ्रंटलाइन
बिहारपुर। सूरजपुर जिले के
चांदनी बिहारपुर क्षेत्र अंतर्गत
ग्राम पंचायत अंतितापुर में
दुर्गा पूजा पंडाल के पास एक
विशालकाय सर्प दिखाई देने से
ग्रामीणों में हलचल मच गई।
सर्प को देखकर ग्रामीणों ने उसे
अजगर समझा और तत्काल
इसकी सूचना वन विभाग
बिहारपुर को दी। सूचना मिलते
ही वन विभाग की टीम मौके
पर पहुंची और सर्प का सुरक्षित
रेस्क्यू कर जंगल में छोड़ दिया।
ग्रामीणों से मिली जानकारी के
अनुसार, दुर्गा पूजा पंडाल के
बाल में अचानक विशालकाय
सर्प दिखाई दिया। सर्प का

आकार बड़ा होने के कारण
ग्रामीणों के बीच उसे लेकर
चर्चा शुरू हो गई। इसके बाद



ग्रामीणों ने तत्काल वन विभाग
को इसकी जानकारी दी।
सूचना मिलने पर वन विभाग की
टीम मौके पर पहुंची और सर्प

को सुरक्षित तरीके से पकड़कर
रेस्क्यू किया। ग्रामीण उसे अजगर
समझ रहे थे, लेकिन वन विभाग

वन विभाग की तत्परता से
सुरक्षित हुआ रेस्क्यू

दुर्गा पूजा पंडाल के समीप सर्प
मिलने की घटना से ग्रामीणों में
उत्सुकता बनी रही। वन विभाग
की टीम ने समय पर पहुंचकर
सर्प का रेस्क्यू किया और उसे
प्राकृतिक आवास में छोड़ दिया।

वन विभाग ने लोगों
से अपील की है कि सर्प दिखाई
देने पर घबराएं नहीं और उसे
पकड़ने या मारने का प्रयास न
करें। इसकी सूचना तत्काल वन
विभाग को दें, ताकि लोगों की
सुरक्षा के साथ वन्यजीवों का
संरक्षण भी सुनिश्चित किया जा
सके।

जिले में कानून व्यवस्था सुदृढ़ रखने राजस्व एवं पुलिस अधिकारी समन्वय से करें कार्य : कलेक्टर

प्रतिनिधि छ.ग. फ्रंटलाइन
सूरजपुर। जिले में कानून और शांति
व्यवस्था को और सुदृढ़ बनाने के उद्देश्य से
जिला कार्यालय सभाकक्ष में कलेक्टर एवं
जिला दंडाधिकारी श्रीमती रेना जमील की
अध्यक्षता में लॉ एंड ऑर्डर
समीक्षा बैठक संपन्न हुई। बैठक में
त्योहारों के दृष्टिगत सुरक्षा
व्यवस्था, यातायात प्रबंधन, भीड़
नियंत्रण एवं विभिन्न आवश्यक
तैयारियों की समीक्षा की
गई। कलेक्टर श्रीमती जमील ने
कहा कि त्योहारों के दौरान जिले
में शांति एवं कानून व्यवस्था
बनाए रखना प्रशासन की प्राथमिकता है।
उन्होंने राजस्व एवं पुलिस विभाग के
अधिकारियों को आपसी समन्वय के साथ
कार्य करने तथा संवेदनशील स्थलों पर
विशेष सतर्कता बरतने के निर्देश दिए।
उन्होंने खनिज परिवहन में लगे भारी
मालवाहक वाहनों के लिए वैकल्पिक मार्ग
निर्धारित करने तथा शहर एवं रिहायशी क्षेत्रों
में यातायात व्यवस्था सुचारु बनाए रखने के

लिए आवश्यक कदम उठाने को कहा। साथ
ही इस समस्या के स्थायी समाधान की
दिशा में भी पहल करने के निर्देश दिए।
कलेक्टर ने दुर्गा पंडालों में अग्निशमन यंत्रों
की व्यवस्था, प्रतिमा विसर्जन स्थलों पर

संचालकों के साथ बैठक कर आवश्यक
दिशा-निर्देश देने, सोशल मीडिया पर सतत
निगरानी रखने तथा रात्रिकालीन गश्त बढ़ाने
के निर्देश भी दिए। इसके साथ ही धरना-
प्रदर्शन, रैली एवं जुलूस के दौरान यातायात

नियमों का पालन सुनिश्चित कराने
और अवैध मादक पदार्थों की
बिक्री पर प्रभावी रोक लगाने को
कहा।
कलेक्टर ने सभी संबंधित
अधिकारियों को सजगता एवं
जिम्मेदारी के साथ अपने दायित्वों
का निर्वहन करने तथा त्योहारों के
दौरान शांति, सुरक्षा एवं कानून



बनाए रखना प्रशासन की प्राथमिकता है।
उन्होंने राजस्व एवं पुलिस विभाग के
अधिकारियों को आपसी समन्वय के साथ
कार्य करने तथा संवेदनशील स्थलों पर
विशेष सतर्कता बरतने के निर्देश दिए।
उन्होंने खनिज परिवहन में लगे भारी
मालवाहक वाहनों के लिए वैकल्पिक मार्ग
निर्धारित करने तथा शहर एवं रिहायशी क्षेत्रों
में यातायात व्यवस्था सुचारु बनाए रखने के

सुरक्षा एवं आवश्यक सुविधाएं सुनिश्चित
करने तथा रावण दहन स्थलों पर दमकल
वाहन एवं एंबुलेंस की तैनाती के निर्देश
दिए। उन्होंने दीपावली के दौरान पटाखा
दुकानों के लिए सुरक्षित स्थल निर्धारित
करने तथा सड़क किनारे लगने वाली
दुकानों को व्यवस्थित स्थान पर संचालित
कराने को कहा, ताकि यातायात बाधित न
हो। उन्होंने दुर्गा पूजा समितियों एवं डीजे

व्यवस्था बनाए रखने के लिए आवश्यक
तैयारियां समयपूर्व पूर्ण करने के निर्देश
दिए।
बैठक में अपर कलेक्टर श्रीमती नयनतारा
सिंह तोमर, अपर कलेक्टर राम सिंह ठाकुर,
अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक योगेश देवांगन,
सभी एसडीएम, यातायात पुलिस सहित
राजस्व एवं पुलिस विभाग के संबंधित
अधिकारी उपस्थित रहे।

राजस्व प्रकरणों का समयबद्ध निराकरण करें सुनिश्चित करें : कलेक्टर

बैठक में की गई डिजिटल क्राॅप सर्वे एवं किसान पंजीयन प्रगति की समीक्षा

प्रतिनिधि छ.ग. फ्रंटलाइन
सूरजपुर। संयुक्त जिला
कार्यालय के सभाकक्ष में
गुरुवार को कलेक्टर श्रीमती
रेना जमील की अध्यक्षता में
राजस्व विभाग के कार्यों की
समीक्षा बैठक आयोजित की
गई। बैठक में डिजिटल क्राॅप
सर्वे, किसान पंजीयन,
प्रधानमंत्री किसान सम्मान निधि
योजना तथा विभिन्न राजस्व
प्रकरणों की प्रगति की समीक्षा
की गई। कलेक्टर ने अनुविभाग
एवं तहसीलवार डिजिटल क्राॅप
सर्वे की समीक्षा करते हुए खेतों
में बोई गई फसलों का भौतिक
सत्यापन सुनिश्चित करने तथा
निर्धारित समय-सीमा में कार्य
पूर्ण करने के निर्देश दिए।
उन्होंने किसान पंजीयन में
प्रगति लाने के लिए किसानों से

संपर्क करने एवं शिविर
आयोजित कर शत-प्रतिशत
पंजीयन सुनिश्चित करने को

कलेक्टर जनदर्शन में प्राप्त
आवेदनों का समय-सीमा में
निराकरण सुनिश्चित करने के

संतुष्टिप्रकर होना चाहिए। उन्होंने
सभी अनुविभागीय अधिकारियों
एवं तहसीलदारों को राजस्व



कहा। साथ ही संबंधित
अधिकारियों को कार्यों की
नियमित मॉनिटरिंग करने के
निर्देश दिए। बैठक में फौती
नामांतरण, बंटवारा, नुटि सुधार,
स्वामित्व योजना एवं अन्य
राजस्व प्रकरणों की समीक्षा की
गई। कलेक्टर ने सीएम
हेल्पलाइन, जन शिकायतों एवं

निर्देश दिए। उन्होंने लंबित एवं
समय-सीमा से बाहर हो चुके
प्रकरणों पर नाराजगी व्यक्त
करते हुए संबंधित अधिकारियों
को प्राथमिकता के साथ
निराकरण करने को कहा।
कलेक्टर श्रीमती जमील ने
निर्देशित किया कि शिकायतों
का निराकरण गुणवत्तापूर्ण एवं

कार्यों की नियमित समीक्षा करते
हुए लंबित प्रकरणों का निर्धारित
समय-सीमा में निराकरण
सुनिश्चित करने के निर्देश दिए।
बैठक में अपर कलेक्टर श्रीमती
नयनतारा सिंह तोमर, अपर
कलेक्टर राम सिंह ठाकुर, सभी
अनुविभागीय दंडाधिकारी एवं
राजस्व अधिकारी उपस्थित रहे।



प्रतिनिधि छ.ग. फ्रंटलाइन
सूरजपुर। जिले के जनपद
भैयाथान अंतर्गत ग्राम अधिनापुर
के पुनीत कुमार राजवाड़े को
उनके पिता चैयर लाल राजवाड़े
के आकस्मिक निधन के पश्चात
सचिव पद पर अनुकंपा नियुक्ति
प्रदान की गई है। कलेक्टर
श्रीमती रेना जमील ने उन्हें
नियुक्ति पत्र देते हुए शासकीय
दायित्वों का निर्वहन पूरी निष्ठा,
ईमानदारी एवं जिम्मेदारी के
साथ करने के लिए प्रेरित किया।
इस दौरान जिला पंचायत के
मुख्य कार्यपालन अधिकारी
विजेंद्र सिंह पाटले उपस्थित रहे।
पुनीत ने बताया कि पिता के
निधन के बाद परिवार के सामने
कठिन परिस्थितियां उत्पन्न हो
गई थीं। ऐसे समय में अनुकंपा
नियुक्ति मिलने से उन्हें परिवार
की जिम्मेदारियां निभाने के लिए
संबल मिला है।

प्रतिनिधि छ.ग. फ्रंटलाइन
सूरजपुर। कलेक्टर श्रीमती रेना
जमील ने छत्तीसगढ़ महिला
कोष सक्षम योजना के तहत

गतिविधियों के माध्यम से
आर्थिक रूप से आत्मनिर्भर
बनने, अपने व्यवसाय को आगे
बढ़ाने और अन्य महिलाओं के

लाभांशित श्रीमती सुमन किराना
दुकान का संचालन करेंगी। वहीं
श्रीमती बाबी बांस से बनी
सामग्री का निर्माण करने के साथ
ही उसकी खरीद-बिक्री
करेंगी। इसी प्रकार
श्रीमती राखी सूपा,
डलिया सहित बांस से
निर्मित विभिन्न
सामग्रियों के निर्माण एवं
बिक्री के माध्यम से
स्वरोजगार से जुड़ेंगी।
उल्लेखनीय है कि
छत्तीसगढ़ महिला कोष की
सक्षम योजना महिलाओं
को स्वरोजगार के अवसर
उपलब्ध कराने और
आर्थिक रूप से सशक्त
बनाने की दिशा में
महत्वपूर्ण पहल है। योजना के
माध्यम से महिलाओं को
आजीविका गतिविधियों से जोड़कर
उन्हें आत्मनिर्भर बनने के लिए
प्रोत्साहित किया जा रहा है।



ग्राम समोली, जनपद भैयाथान
की तीन महिलाओं को
स्वरोजगार हेतु 40-40 हजार
रुपये का चेक प्रदान किए।
उन्होंने महिलाओं को आजीविका

लिए प्रेरणा बनने हेतु प्रोत्साहित
किया। इस अवसर पर महिला
एवं बाल विकास विभाग के
जिला कार्यक्रम अधिकारी शुभम
बंसल उपस्थित रहे। योजना से

नाथल दाई धाम में सामाजिक सद्भाव के लिए बिना साउंड के आराधना

नवरात्रि पर मां दुर्गा की पूजा-अर्चना के लिए उमड़ रहे श्रद्धालु

छ.ग.फ़ंटलाइन अंबिकापुर। नवरात्रि के पावन अवसर पर ग्राम बेनीपुर रनपुर खुर्द स्थित नाथल दाई मंदिर परिसर में स्थापित मां दुर्गा की प्रतिमा की विधिवत पूजा-अर्चना की जा रही है। इस अवसर पर बड़ी संख्या में श्रद्धालु उपस्थित हुए। पत्रकारों ने भी माता के दर्शन कर प्रसाद ग्रहण किया।

नाथल दाई समिति, बेनीपुर के पदाधिकारी अनुज दुबे ने बताया कि, नवरात्रि के अवसर पर माता नाथल दाई धाम के समीप पंडाल में मां दुर्गा की प्रतिमा स्थापित की गई है, जहां नौ दिनों तक श्रद्धालुओं द्वारा विधि-विधान से पूजा-अर्चना की जाएगी। सामाजिक सद्भाव और सभी की धार्मिक आस्थाओं का सम्मान करते हुए यहाँ लाउडस्पीकर एवं साउंड बॉक्स के माध्यम से भजन-कीर्तन और आरती नहीं करने का निर्णय लिया गया है। उन्होंने बताया कि विगत 10 अक्टूबर को तकिया मजार की अंजुमन कमेटी द्वारा आयोजित बैठक में नवरात्रि के नौ दिनों तक बिना साउंड के पूजा-पाठ करने का प्रस्ताव रखा गया था। बैठक में शामिल माता नाथल दाई समिति के सदस्यों एवं अन्य लोगों ने सामाजिक



सौहार्द बनाए रखने की भावना से इस प्रस्ताव पर सहमति जताई। इसी सहमति के अनुरूप वर्तमान में बिना साउंड सिस्टम के माँ दुर्गा की पूजा-अर्चना की जा रही है। उन्होंने यह भी बताया कि साउंड सिस्टम में आरती या कोई म्यूजिकल प्रोग्राम नहीं करने के प्रस्ताव को लेकर लोगों में नाराजगी है। अनुज दुबे ने कहा कि माता नाथल दाई धाम के समीप ही तकिया मजार स्थित है, जहां प्रतिवर्ष धार्मिक आयोजन होते हैं। इन आयोजनों में बड़े साउंड सिस्टम के साथ गीत-संगीत एवं कव्वाली के कार्यक्रम भी आयोजित किए जाते रहे हैं। उन्होंने कहा कि स्थानीय स्तर पर विभिन्न संप्रदायों के लोग एक-दूसरे के धार्मिक आयोजनों में सहभागिता कर



माता नाथल दाई की प्राचीन लोकमान्यता

रनपुर खुर्द निवासी अर्जुन राम पटेल ने बताया कि पंडाल में स्थापित मां दुर्गा के स्वरूप में माता नाथल दाई की आराधना की जा रही है। इस स्थल पर प्राचीन समय से बैगा, देवार, गुनिया एवं ग्रामवासियों द्वारा पूजा-पाठ किया जाता रहा है। ग्रामीणों की गहरी आस्था है कि माता इस स्थल पर विराजमान हैं और श्रद्धालु नियमित रूप से यहाँ दर्शन के लिए आते हैं। उन्होंने बताया कि आने वाले दिनों में मंदिर निर्माण की प्रक्रिया शुरू की जाएगी। श्रद्धालु जन्मेजय मिश्रा ने नवरात्रि एवं माता नाथल दाई धाम की धार्मिक मान्यताओं पर प्रकाश डालते हुए बताया कि ग्राम बेनीपुर में माता नाथल देवी के प्राचीन मंदिर के अवशेष आज भी मौजूद हैं। स्थल पर बाउंड्रीवाल का निर्माण भी किया गया है। प्राचीन परंपरा के अनुसार यहाँ बैगा, गुनिया, देवार एवं ग्रामीणों द्वारा पूजा-अर्चना की जाती रही है। लोकमान्यता के अनुसार, गांवों में होने वाले पारंपरिक पूजा-पाठ में माता कामाख्या के लघु स्वरूप के रूप में पूजित माता नाथल देवी की भी आराधना की जाती है। उन्होंने कहा कि सरगुजा की लोक संस्कृति में देवी-देवताओं से जुड़े अनेक ऐसे धार्मिक स्थल हैं, जिनका इतिहास केवल पत्थरों और शिलालेखों में ही नहीं, बल्कि लोकगीतों, बुजुर्गों की स्मृतियों, पीढ़ी-दर-पीढ़ी चली आ रही परंपराओं और जनअस्था में भी सुरक्षित है। माता नाथल दाई ऐसा ही एक महत्वपूर्ण लोक आस्था का केंद्र हैं। ग्रामीणों एवं बुजुर्गों की मान्यता के अनुसार, यह स्थल लगभग 500 वर्ष से अधिक पुराना है। माता नाथल दाई को चंद्रहासिनी देवी की बहन तथा मां कामाख्या की छोटी बहन के रूप में भी पूजित माना जाता है। सरगुजा सहित छत्तीसगढ़ के विभिन्न क्षेत्रों में बैगा, गुनिया और देवार समुदाय द्वारा पारंपरिक पूजा-पाठ एवं झाड़ू-फूंक के दौरान माँ महामाया और चंद्रहासिनी देवी के साथ माता नाथल दाई का भी आह्वान किया जाता है।

आपसी सद्भाव और भाईचारे को बनाए रखने का संदेश आपसी सद्भाव और भाईचारे का संदेश देते आए हैं। नवरात्रि दिया जा रहा है। इस अवसर पदाधिकारी सहित अन्य के अवसर पर ऐसे ही भावना पर ग्रामवासी, नाथल दाई उपस्थित रहे।

एक्सपोजर विजिट के माध्यम से विद्यार्थियों ने जानी स्थानीय शासन एवं ग्रामीण विकास की जमीनी हकीकत

विद्यार्थियों ने ग्रामीण आजीविका, पंचायत की कार्यप्रणाली और सामुदायिक विकास की गतिविधियों को जाना

छ.ग.फ़ंटलाइन अंबिकापुर। राजीव गांधी शासकीय स्नातकोत्तर महाविद्यालय, अंबिकापुर के सोशल इनोवेशन एंड कम्प्युनिटी एंगेजमेंट सेल एवं मुहिम फाउंडेशन द्वारा जनपद पंचायत लखनपुर के सहयोग से यूथ लीडरशिप एंड कम्प्युनिटी एक्शन सर्टिफिकेट कोर्स के विद्यार्थियों के लिए एक दिवसीय एक्सपोजर विजिट का आयोजन किया गया। इसके अंतर्गत विद्यार्थियों ने लखनपुर विकासखंड की ग्राम पंचायत कुन्नी का भ्रमण कर ग्रामीण जीवन, स्थानीय स्वशासन व्यवस्था एवं सामुदायिक विकास की गतिविधियों की व्यावहारिक जानकारी प्राप्त की।

इस शैक्षणिक भ्रमण का मुख्य उद्देश्य विद्यार्थियों को कक्षा में अर्जित सैद्धांतिक ज्ञान के साथ जमीनी अनुभवों से जोड़ना तथा ग्रामीण क्षेत्रों में लोकतांत्रिक संस्थाओं, पंचायत प्रशासन और सामुदायिक सहभागिता की भूमिका से परिचित कराना था। भ्रमण के दौरान विद्यार्थियों ने ग्राम पंचायत के विभिन्न क्षेत्रों का अवलोकन किया तथा पंचायत प्रतिनिधियों, स्व-सहायता समूहों की महिलाओं एवं विभिन्न विभागों के मैदानी कार्यकर्ताओं से संवाद किया। इस दौरान विद्यार्थियों ने ग्राम



पंचायत की कार्यप्रणाली, स्थानीय विकास योजनाओं के क्रियाव्यव, ग्रामीण आजीविका, सामाजिक कल्याण तथा बुनियादी सुविधाओं की ग्रामीण विकास में पंचायत, समुदाय एवं विभिन्न संस्थाओं की महत्वपूर्ण भूमिका होती है। युवाओं का गांवों में पहुंचकर

स्थानीय शासन व्यवस्था एवं विकास प्रक्रियाओं को समझना सराहनीय पहल है। ऐसे अनुभव युवाओं को स्थानीय समस्याओं की पहचान करने तथा उनके समाधान में सकरात्मक योगदान देने के लिए प्रेरित करते हैं। सोशल इनोवेशन एंड कम्प्युनिटी एंगेजमेंट सेल के समन्वयक डॉ. दीपक सिंह ने बताया कि इस पहल का उद्देश्य विद्यार्थियों को शिक्षा के साथ सामाजिक अनुभवों से जोड़ना है। मुहिम फाउंडेशन के संस्थापक एवं कार्यकारी निदेशक ऋषिकेश ने कहा कि समुदाय से प्रत्यक्ष जुड़ाव युवाओं में संवेदनशीलता, नेतृत्व क्षमता एवं नागरिक जिम्मेदारी की भावना विकसित करता है।

शिक्षा को सामाजिक सरोकारों से जोड़ना आवश्यक

महाविद्यालय के प्राचार्य प्रो. अनिल कुमार सिन्हा ने कहा कि शिक्षा का उद्देश्य केवल पुस्तकीय ज्ञान प्रदान करना नहीं, बल्कि विद्यार्थियों को समाज की वास्तविक परिस्थितियों से परिचित कराना भी है। इस प्रकार के शैक्षणिक भ्रमण से विद्यार्थियों में सामाजिक उत्तरदायित्व, नेतृत्व क्षमता एवं सामुदायिक सहभागिता की भावना विकसित होती है।

युवा नेतृत्व और सामाजिक नवाचार को बढ़ावा

महाविद्यालय में मुहिम फाउंडेशन के सहयोग से यूथ लीडरशिप एंड कम्प्युनिटी एक्शन सर्टिफिकेट कोर्स संचालित किया जा रहा है। इसके अंतर्गत विद्यार्थियों को युवा नेतृत्व, 21वीं सदी के आवश्यक कौशल, सामुदायिक सहभागिता, सामाजिक नवाचार एवं शोध से संबंधित विषयों पर प्रशिक्षण और व्यावहारिक अनुभव प्रदान किए जा रहे हैं। इस पाठ्यक्रम का उद्देश्य युवाओं में ज्ञान, कौशल, मानवीय मूल्यों एवं नागरिक जागरूकता का विकास कर उन्हें समाज के प्रति जिम्मेदार बनाना है, ताकि वे सामुदायिक विकास में सक्रिय भागीदारी निभाते हुए समावेशी एवं सहभागी समाज के निर्माण में अपना योगदान दे सकें।

पानी भरे खेत में डूबने से 60 वर्षीय बुजुर्ग की मौत

छ.ग.फ़ंटलाइन अंबिकापुर।

दरिमा थाना क्षेत्र ग्राम पंचायत रेवापुर के आश्रित ग्राम लवाईडीह में खेत में भरे पानी में डूबने से 60 वर्षीय बुजुर्ग की मौत हो गई। मृतक गिरधारी सिंह अपने घर से महज 200 मीटर दूर स्थित खेत के पास गया था। इसी दौरान अचानक पैर फिसलने से वह खेत में भरे पानी में गिर गए और डूब गया। पानी अधिक होने के कारण वह बाहर नहीं निकल पाया और मौके पर ही उसकी मौत हो



गई। घटना के बाद परिवार में मातम पसरा है और गांव में शोक का माहौल है। सूचना पर दरिमा थाना पुलिस मौके पर पहुंची और जांच में जुट गई है। पुलिस मामले में मर्ग कायम करके आगे जांच, कार्रवाई कर रही है।

संभागायुक्त ने एकीकृत मॉडल का मंत्र देकर कहा- खेती घाटे का सौदा नहीं, मुनाफे का मॉडल बने

खरीफ-रबी फसल के कार्ययोजना की समीक्षा, पड़ती जमीन पर अतिरिक्त खेती पर फोकस

छ.ग.फ़ंटलाइन अंबिकापुर।

किसानों की आय दोगुनी करने के लिए अब सिर्फ धान-गेहूं पर निर्भर नहीं रहना होगा। संभागायुक्त नरेन्द्र कुमार दुग्गा ने स्पष्ट कहा है कि कृषि के साथ पशुपालन, मत्स्य पालन और उद्यानिकी को जोड़कर ही आय बढ़ेगी। उन्होंने खरीफ 2026 एवं रबी 2026-27 की कार्ययोजना की समीक्षा करते हुए सभी विभागों को एक साथ मिलकर काम करने के निर्देश दिए हैं। उन्होंने कहा कि सभी विभाग समन्वित कार्ययोजना बनाकर किसानों तक योजनाओं का लाभ पहुंचाएं, ताकि खेती घाटे का सौदा नहीं बल्कि मुनाफे का मॉडल बने। बुधवार को कमिश्नर कार्यालय के सभाकक्ष में आयोजित संभाग स्तरीय बैठक में सरगुजा, जशपुर, बलारामपुर-रामानुजगंज, कोरिया, मनेंद्रगढ़- चिरमिरी-भरतपुर और सूरजपुर जिलों के कृषि, पशुधन विकास, उद्यानिकी, मत्स्य पालन विभाग और कृषि विज्ञान केंद्र के अधिकारी मौजूद रहे। संभागायुक्त ने खरीफ 2026 के क्षेत्राच्छादन और फसल विविधीकरण की समीक्षा की। उन्होंने कहा कि, रबी में पड़ती भूमि खाली नहीं रहनी चाहिए। उस पर संचित नमी का उपयोग कर दलहन, तिलहन और उद्यानिकी फसलें लेने की कार्ययोजना बने। प्रधानमंत्री अन्नदाता आय संरक्षण अभियान (पीएम-आशा) के



बीज-उर्वरक की कमी नहीं होगी

संभागायुक्त ने रबी 2026-27 के लिए बीज की मांग, उपलब्धता और भंडारण तथा उर्वरकों की मांग और वितरण की गहन समीक्षा की। उन्होंने उर्वरक वितरण को व्यवस्थित बनाने के लिए पायलट जिलों में एफएफएस के माध्यम से वितरण के अनुभवों की जानकारी ली और इसे पूरे प्रदेश में लागू करने की तैयारी करने के निर्देश दिए। साथ ही नील-हरित काई, हरी खाद से पोषण प्रबंधन, कृषि आदानों की गुणवत्ता नियंत्रण, नेशनल मिशन ऑन एडिबल ऑयल-ऑयलसीड और आत्मनिर्भर दलहन मिशन की प्रगति पर भी चर्चा हुई। उन्होंने ऑयल पाम और फलदार पौधों के बीच अंतरवर्तीय फसलें और धान आधारित सिस्टम में उद्यानिकी फसलें जोड़ने पर जोर दिया।

पशु-मत्स्य पालन पर विशेष जोर

पशुधन विकास विभाग की समीक्षा में एलएसडी और पीपीआर टीकाकरण, कृत्रिम गर्भाधान, वत्सोत्पादन, गौधाम-गौशालाओं के संचालन, दुग्ध सहकारी समितियों के गठन, दुधारू पशु प्रदाय पायलट प्रोजेक्ट और मोबाइल वेटेरिनरी यूनिट की प्रगति देखी गई। मत्स्य विभाग की समीक्षा में प्रधानमंत्री मत्स्य संपदा योजना, किसान क्रेडिट कार्ड, नेशनल फिशरमेन डिजिटल प्लेटफॉर्म पर पंजीयन और अमृत सरोवरों को मत्स्य पालन से जोड़ने की प्रगति की जानकारी ली गई। संभागायुक्त ने मत्स्य पालन में महिलाओं की भागीदारी बढ़ाने, सरगुजा संभाग में झींगा पालन की संभावना तलाशने और तालाब-जलाशयों के पट्टा आवंटन में तेजी लाने के निर्देश दिए।

तहत चयनित उपाजर्जन केंद्रों के और किसानों को जागरूक कैचमेंट एरिया में फसलवार करने के लिए रणनीति बनाने आवक का आंकलन करने को कहा।

अवैध खनिज परिवहन पर कार्रवाई, 8 वाहन जब््त



छ.ग.फ़ंटलाइन अंबिकापुर।

जिले में अवैध खनिज उत्खनन, परिवहन एवं भंडारण पर लगातार कार्रवाई जारी है। इसी कड़ी में 14 एवं 15 अक्टूबर को खनिज अमले द्वारा अंबिकापुर एवं सीतापुर क्षेत्र में वाहनों की जांच की गई। इस दौरान बिना अभिवहन पास के खनिज रेत एवं ईट का परिवहन करते पाए जाने पर तीन टिपर और पांच ट्रैक्टर सहित कुल आठ वाहनों के खिलाफ कार्रवाई की गई। जिला खनि अधिकारी ने बताया कि बिना वैध अभिवहन पास के खनिज परिवहन करते पाए जाने पर तीन टिपर वाहनों को जब्त कर कलेक्टर परिसर अंबिकापुर में रखा गया है, जब्त वाहनों में सीजी 15 ईके 4164 टीपर वाहन

मालिक अभिषेक वर्मा, सीजी 15 ईके 2457 वाहन मालिक सुमित गुप्ता, सीजी 15 डीएन 7006 वाहन मालिक सी.पी. शुक्ला शामिल है। 5 ट्रैक्टरों के खिलाफ अवैध खनिज परिवहन का प्रकरण दर्ज कर उन्हें जस कर सीतापुर थाना परिसर में अभिरक्षा में रखा गया है, जिसमें सीजी 15 एसी 1242 ट्रैक्टर वाहन मालिक चन्द्रमणी सिंह, महेन्द्रा शोल्ड ट्रैक्टर वाहन मालिक अर्जुन यादव, सोनालिका शोल्ड ट्रैक्टर वाहन मालिक शंकर खखर्यो, महेन्द्रा शोल्ड लाल ट्रैक्टर वाहन मालिक दाउत लकड़ा, महेन्द्रा शोल्ड लाल ट्रैक्टर वाहन मालिक अर्जुन यादव शामिल है।

बताया गया कि इन सभी मामलों में खान एवं खनिज (विकास एवं विनियमन) अधिनियम 1957 की धारा 21(4) एवं एमएमडीआर अधिनियम की धारा 21(5) एवं 23 तथा छत्तीसगढ़ गौण खनिज नियम 2015 के तहत कार्रवाई की जाएगी। छत्तीसगढ़ गौण खनिज नियम, 2015 में 22 जून 2026 को किए गए संशोधन के अनुसार, नियम 71(3) के तहत शमन शुल्क न्यूनतम 25 हजार रुपये निर्धारित किया गया है। इसके अलावा प्रशमन राशि न्यूनतम 25 हजार रुपये अथवा 2,000 रुपये प्रति टन, जो भी अधिक हो, वसूल की जाएगी। संबंधित मामलों में खनिज का बाजार मूल्य भी वसूल किया जाएगा। खनिज विभाग ने स्पष्ट किया है कि जिले में अवैध खनिज उत्खनन, परिवहन एवं भंडारण के विरुद्ध लगातार कार्रवाई जारी रहेगी।